केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 82 मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान 16 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी ने बस्ती में सक्रिय सदस्यता अभियान की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया, जिसमें भाग लेने के लिए सभी मंडलों के मंडलाध्यक्ष, महामंत्री और सक्रिय सदस्यता अभियान संयोजक के अलावा जिले के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता जिला प्रभारी समीर सिंह ने कहा बस्ती जिले में पार्टी संगठन की योजनानुसार कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम करते हुए सदस्यता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक सदस्यता के अभियान में जिस तरह से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया उसी तरह सक्रिय सदस्यता के अभियान में भी सबको सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। सक्रिय सदस्यता का अभियान 16 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि सक्रिय सदस्यता अभियान के दौरान हमारा प्रयास होना चाहिए कि समाज के हर जाति वर्ग और क्षेत्र के लोग पार्टी के सक्रिय सदस्य बनें। कार्यशाला का संचालन सदस्यता अभियान सह प्रमुख अमृत कुमार वर्मा ने किया।

इस मौके पर सक्रिय सदस्यता जिला प्रमुख पवन कसौधन, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, राजेंद्र तिवारी, राजेंद्र गौड़, महेश शुक्ल, यशकांत सिंह, सुशील सिंह, राम श्रिंगार ओझा, राजेश पाल चौधरी, अनूप खरे, देवेन्द्र सिंह, जगदीश शुक्ल, चन्द्र शेखर मुन्ना, आनन्द कुँवर सिंह, अरविन्द पाल, ममता सिंह, रोली सिंह, शालिनी मिश्र, सतेन्द्र सिंह भोलू, राधेश्याम कमलापुरी, अखिलेश शुक्ल, विजय गुप्ता, सुजीत सोनी, सुरेन्द्र सिंह, गीता गुप्ता सहित पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने किया लम्बित प्रकरणों की गहन समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कार्यक्रमों व विकास कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभाग के पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को निर्धारित समय–सीमा में अवश्य निस्तारित करें। उन्होने कहा कि संबंधित अधिकारी शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापरक निस्तारण पर विशेष ध्यान दें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता कदापि ना बरती जाय। उन्होने कहा कि संबंधित विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यो की स्वयं समीक्षा करें एवं प्रगति में सुधार लायें।

जिलाधिकारी ने शासन की विकास प्राथमिकताओं, राजस्व, भूमि विवाद, निर्माण कार्य, बिक्री कर, आबकारी, स्वास्थ्य, विद्युत, उद्योग सहित अन्य विभागीय अधिकारियों के लम्बित प्रकरणों पर गहनता से समीक्षा किया।

बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, एसडीएम विनोद पाण्डेय, शत्रुघ्न पाठक, आशुतोष तिवारी, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, आबकारी अधिकारी, एआरटीओ पंकज कुमार, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, डीपीआरओ रत्तन कुमार, पीओ डूडा सुनीता सिंह, जिलापूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, डा. राजमंगल चौधरी, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिंसाग्रस्त बहराइच में बढाई गई सुरक्षा व्यवस्था

मृतक का कड़ी सुरक्षा में अंतिम संस्कार

संवाददाता–बहराइच । जिले के महसी क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव और फायरिंग की घटना में युवक की मौत के बाद भड़की हिंसा में मारे गए युवक का अंतिम संस्कार संपन्न हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश और गृह सचिव संजीव गुप्ता बहराइच के महराजगंज दोपहर में ही पहुंच गए और खुद कमान संभाल ली है। हिंसा के शिकार गोपाल मिश्रा का अंतिम संस्कार कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच करने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस भी ली है।

प्रशासन के अनुसार अब स्थिति नियंत्रण में है। उपद्रव थम गया है। अराजक तत्वों की तलाश तेज कर दी गई है। उनकी धरपकड़ के लिए छापेमारी हो रही है। 12 कंपनी पीएससी, 02 कंपनी सीआरपीएफ, 01 कंपनी आरएएफ और गोरखपुर जोन की पुलिस फोर्स को बहराइच में लगाया गया है। प्रशासन और पुलिस ने जनता से अपील की है कि अफवाहों और भ्रामक खबरों से सावधान रहें। माहौल को बेहतर बनाने के लिए 4 आईपीएस, 2 एएसपी, 4 सीओ की तैनाती इलाके में की गई है।

अब तक 30 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। 10 के विरुद्ध एफआईआर कई गई है इनमें 4 नामजद हैं। इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं और आसपास के स्कूल, बाजार भी बंद हैं। चप्पे–चप्पे पर कड़ी सुरक्षा है।

स्कूल जा रही छात्रा से छेडखानी, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के खझौला चौकी अर्न्तगत एक गांव में स्कूल जा रही छात्रा से अश्लील हरकत, गालियां और धमकी देने का मामला सामने आया है।

पीड़िता के पिता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अश्लील हरकत और धमकी देने वाले कृष्ण गोपाल गुप्ता और कमलेश के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया है। पीड़िता के पिता ने कहा है कि उसकी पुत्री कक्षा 10 की छात्रा गत 8 अक्टूबर को स्कूल जाते समय मिली धमकी, और अश्लील हरकत के कारण उसकी नाबालिग 15 वर्ष की बेटी भय बश स्कूल नहीं जा रही है। घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने को दिया गया था किन्तु पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किये जाने से कृष्ण गोपाल गुप्ता और कमलेश का मनोबल बढ गया है। वे देख लेने की धमकियां दे रहे हैं।

उमाशंकर त्रिपाठी बने एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कांग्रेस नेताओं ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय ने उमाशंकर त्रिपाठी को बस्ती एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष घोषित किया है। सोमवार को कांग्रेस के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई के जिला प्रभारी नोमान अहमद के संयोजन में एपीएन पी.जी. कालेज के परिसर में उमाशंकर त्रिपाठी का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया है। नोमान अहमद ने कहा कि निश्चित रूप से उमाशंकर त्रिपाठी छात्र हितों के लिये रचनात्मक प्रयास तेज करेंगे।

उमाशंकर त्रिपाठी को बस्ती एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष घोषित किये जाने पर पूर्व अध्यक्ष एवं युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुधीर यादव ने कहा कि एनएसयूआई कांग्रेस के नीति और कार्यक्रम को छात्रों तक पहुंचाने की दिशा में लगातार सक्रिय है। उमाशंकर त्रिपाठी का स्वागत करने वालों में विवेक श्रीवास्तव, सोनम सैनी, अम्बिका सिंह, मनीष, अर्पित, प्रशान्त, अजय, अरूण कुमार पाण्डेय, उदयराम यादव, नवीन श्रीवास्तव, ऋषि यादव, अभिषेक, हबीबा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

विकास प्राधिकरण कर्मचारियों ने दो गाड़ियों समेत सील कर दिया व्यापारी का गैराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष प्रभात सोनी ने विकास प्राधिकरण के सचिव को पत्र देकर कहा है कि पंकज टाकीज के निकट स्थित उनके गाडी रखने के गैराज को प्राधिकरण के कर्मचारियों ने बिना किसी नोटिस या जानकारी के सील कर दिया। गैराज में उनकी दो गाड़ियां सील होने के कारण निकल नहीं पा रही हैं और उनके काम काज पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होने कहा है कि उनके पास आर.बी.ओ. का नक्शा मौजूद है और वे मरम्मत करवा रहे थे। यदि मरम्मत के लिये भी नये नक्शे की जरूरत हो तो विकास प्राधिकरण से नया नक्शा बनवाने के लिये उन्हें समय दिया जाय।

विकास प्राधिकरण कर्मचारियों द्वारा की जा रही मनमानी की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुये बस्ती उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष प्रभात सोनी ने कहा है कि मरम्मत के दौरान जिस प्रकार से उनकी अनुपस्थिति में गैराज सील कर दिया गया वह चिन्ताजनक है। चेतावनी दिया कि यदि शीघ्र गैराज में सील उनके वाहनों को न निकलवाया गया तो व्यापारी समाज आन्दोलन को बाध्य होगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी विकास प्राधिकरण के कर्मचारियों और अधिकारियों की होगी।

जेल से रिहाई के बाद ठाकुर प्रेम नन्दबंशी का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनहित के सवालों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना दे रहे राष्ट्रीय पिछडा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दबंशी को पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद जमानत न मिलने के कारण जेल भेज दिया था। सोमवार को रिहाई के बाद ठाकुर प्रेम नन्दबंशी का डीएम कार्यालय परिसर के निकट अनेक संगठनों के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने कहा कि प्रशासन चाहे जितना उत्पीड़न करे जनहित के सवालों को लेकर उनका चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि लोकतंत्र में जनहित के सवाल उठाना, कार्रवाई की मांग करना एक प्रकिया है। यदि पुलिस इसी तरह से नेताओं को जेल भेजने का काम करने लगी तो सामान्य व्यक्ति तो अन्याय के विरोध का साहस ही नहीं कर पायेंगे। बहुजन मुक्ति पार्टी के मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि हर जुल्म, अत्याचार के विरोध में संघर्ष जारी रहेगा, इसके लिये चाहे जिस भी प्रकार के उत्पीड़न का सामना करना पडे। यह कारवां रूकने वाला नहीं है।

जेल से रिहाई के बाद ठाकुर प्रेम नन्दबंशी का स्वागत करने वालों में राम सुमेर यादव, उमाशंकर शर्मा, अमरजीत आर्य, पंचलाल, अब्दुल अजीम, मो. आरिफ, लालमणि शर्मा, कृपाशंकर चौधरी, आलोक ठाकुर, मनोज, चन्द्र प्रकाश, ओंकार शर्मा आदि शामिल रहे।

झोला छाप डाक्टरों को मिले ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों का दर्जा

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से रचनात्मक पहल की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम सागर त्रिपाठी व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रेम त्रिपाठी के नेतृत्व में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिलकर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में झोला छाप डाक्टरों के प्रशिक्षण तथा रजिस्ट्रेशन सहित अपनी विभिन्न माँगों और समस्याओं से अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री ने प्रकरण को ध्यान से सुना और समाधान हेतु आश्वस्त किया।

उप मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रेम त्रिपाठी ने लिखा है कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों का जांच के नाम पर उत्पीड़न ना करते हुए उन पर प्राथमिक उपचार करने के मामले में पंजीकृत मुकदमे वापस लिए जाएं। ग्रामीण स्वास्थ्य

सेवकों का समय समय पर उनकी योग्यता अनुसार बिहार आदि राज्यों की भांति प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी कार्यशैली में सुधार होकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुशल स्वास्थ्य सेवक सेवा कर सके। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को उनके कार्य क्षेत्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में प्राथमिक उपचार का अवसर प्रदान करते हुए दिल्ली सरकार की भाँति मोहल्ला क्लिनिक/रेफरल सेंटर के रूप में स्थापित किया जाए जिससे सरकार, स्वास्थ्य सेवक और समाज में समन्वय स्थापित हो सके। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को झोलाछाप डॉक्टर के नाम से अपमानित ना करते हुए ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक का दर्जा प्रदान किया जाए। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को टीबी उन्मूलन, इंद्रधनुष जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय महामारियों में स्वयं सेवक के रूप में देश सेवा का अवसर प्रदान किया जाए। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को प्रधानमंत्री द्वारा संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें युवाओं को छ माह का स्वास्थ्य प्रशिक्षण दिया जाता है के स्थान पर प्रशिक्षण दिया जाए जिससे समाज में नए झोला छाप ना तैयार हो सकें। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को स्वास्थ्य सेवा से कार्यमुक्त करने की दशा में उन्हें उनके योग्यतानुसार रोजगार गारंटी उपलब्ध कराया जाए जिससे उनके सामने पारिवारिक भरण पोषण की समस्या उत्पन्न ना हो जिससे वह अनुचित कार्यों में संलिप्त न हों।

प्रतिनिधि मण्डल के साथ मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष डॉ लालजी आजाद, डॉ जवाहरलाल विश्वकर्मा, डॉ अनिल कुमार, अखिलेश दूबे, विजय यादव आदि शामिल रहे।

भारत ने कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया

नई दिल्ली (आभा)। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा के गंभीर आरोपों पर भारत सरकार ने सख्त रवैया अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने कनाडाई उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर को तलब किया है। इससे पहले भारत ने कनाडा के आरोपों को 'बेतुका' बताकर सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें ओटावा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़ा गया।

भारत में सोमवार को कनाडा के उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर को विदेश मंत्रालय ने कनाडा के कदम पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। भारत ने कनाडा के इन आरोपों को द्विपक्षीय संबंधों में खटास डालने और बिगाड़ने वाला रवैया बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमें कल कनाडा से एक ''राजनयिक संचार मिला, जिसमें कहा गया था कि भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और अन्य राजनयिक हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में जांच से संबंधित मामले में 'निगरानी वाले व्यक्ति' हैं''।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अब ''भारतीय राजनयिकों के खिलाफ आरोपों को गढ़ने के कनाडा सरकार के इन नवीनतम प्रयासों'' के जवाब में आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''चूंकि प्रधानमंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, इसलिए कनाडा सरकार ने`` कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ सबूतों का एक अंश भी साझा नहीं किया है।

प्रतिभा सम्मान समारोहः कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

–भारतीय बस्ती संवाददाता

नगर बाजार (बस्ती) । मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं ,जिनके सपनों में जान होती है ,पंखों से नहीं, हौसलों से उड़ान होती है।

उक्त विचार आई. पी. एस. अधिकारी बजरंग प्रसाद ने सूर्या पब्लिक कान्वेंट इंटर कॉलेज नगर बाजार बस्ती में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सफलता प्राप्त करने के मूल मंत्र कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य को पाने के लिए लगन के साथ कड़ी मेहनत करना अनिवार्य है। कोशिश करने वालों कभी हार नहीं होती,बिना कुछ किया यूं ही जय जयकार नहीं होती।

इसी क्रम में कॉलेज के छात्र ,छात्राओं द्वारा पूछे गए अनेकों प्रश्नों का उत्तर देकर उनके जिज्ञासा को शांत किया और उन्हें सही मार्गदर्शन दिया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि का विद्यालय परिवार में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया विद्यालय के प्रबंधक सूर्य नारायण भावुक एवं प्रधानाचार्य श्रीमती श्याम लता उपाध्याय द्वारा अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि आईपीएस अधिकारी बजरंग प्रसाद द्वारा मां सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अनिकेत शर्मा, अनुराग प्रजापति, गरिमा चौरसिया, शालू चौरसिया ,अंकित चौरसिया, अंशुमान उपाध्याय, अमन वर्मा ,आयुष कनौजिया ,आदर्श उपाध्याय ,स्नेहा चौरसिया, मुस्कान जायसवाल ,प्रियांशु उपाध्याय ,आंचल शर्मा ,विजयलक्ष्मी ,मुस्कान सिंह, शशि चौरसिया, प्रिंस वर्मा ,अजीत चौरसिया ,गुफरान खातून ,अभिनव कुमार, सिद्धार्थ उपाध्याय, हिमांशी ,सलोनी चौरसिया जैसे अनेक लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य रूप से एम. एस.एम.ई. मंत्रालय भारत सरकार के एडवाइजर और राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0 कुलदीप मिश्र संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे भारत के भविष्य हैं। यही बच्चे होनहार हो कर आगे चलकर देश प्रेम सद्भाव के लिए काम करेंगे। अपर सचिव चंद्रकांत पांडेय,अनुराग मिश्रा अरविंद कुमार उमेश दुबे जय हिंद, गौतम विजय कुमार ,अनुराधा ,श्वेता सिंघानिया ,शिवानी पांडे, अस्मिता त्रिपाठी, मोनी त्रिपाठी, प्रीति ,साहिबा ,पूजा द्विवेदी सहित विद्यालय परिवार एवं छात्र,छात्राएं उपस्थित रहे।

नवरात्रि डांडिया उत्सव में भक्ति भाव से झूमे लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नवरात्रि, विजयादशमी पर्व पर कल्चरल क्वेस्ट नृत्य धाम के मास्टर शिव के संयोजन में आयोजित डांडिया नृत्य में भारतीय संस्कृति, कला के विविध रूप जीवंत हुए. डांडिया रास, धुंची, गरबा के विभिन्न स्वरूपों को कलाकारों व विभिन्न परिवारों के लोगों ने साकार किया. दर्शकों ने इसका खूब आनंद लिया। जिला अस्पताल के निकट एक लॉन के सभागार में डांडिया रास का आयोजन हुआ। . इस दौरान लोगों ने रंगीन डांडिया, ताली और डंडे से गरबा और मिट्टी के पात्र में नारियल, जलता कोयला, कपूर और हवन सामग्री रखकर धुनुची को हाथ में पकड़कर नृत्य किया। इस दौरान महिलाएं देर रात तक गरबा नृत्य, डांडिया और धुनुची के साथ खूब झूमी।

कार्यक्रम का आरम्भ अतिथि राना दिनेश प्रताप सिंह, सुभाष जोशी और राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य डॉ. नवीन श्रीवास्तव, डा. शैलजा सतीश, आशीष गुप्ता, अभिषेक ओझा, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' अविनाश श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित कर देवी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर शिव ने किया। आंशी, शालिनी, काव्या, माही, तनिष्क, प्रियंका, ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं। नवरात्रि डांडिया उत्सव में बेहतर प्रस्तुति देने वालों अर्चना वर्मा, शबी श्रीवास्तव, प्रिया तिवारी, आरती, लक्ष्मी के समूह, राहुल, महिमा सिंह और रंजना यादव को पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया गया।

नवरात्रि डांडिया उत्सव में मुख्य रूप से शुभम गुप्ता, देवेश चौधरी, आदित्य सोनकर, कमलेश, शुभम वर्मा, अंशिका वर्मा, खुशी मल्होत्रा, हरप्रीत कौर, सुधा, पिंकी, अरिहन्त, रामानन्द, प्रतीक्षा दूबे, प्रियांशी पाल, सचिन मिश्र शास्त्री, अदिति तिवारी, कल्पना चौधरी, खुशी, गरिमा, सिद्धार्थ, राधे, राधिका, अभय, रेखा के साथ ही बड़ी संख्या में अनेक परिवारों के लोग शामिल रहे।

युवाओं को नशा मुक्ति के लिये दिलाया शपथ

नशा धीमा जहर, युवा इससे बचें–अनुराग यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को नेहरू युवा केन्द्र माई भारत द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय पुस्तकालय एवं वाचनालय भरतपुर के सभागार में नशा मुक्ति और मादक द्रव्यो के सेवन पर शिक्षा और जागरूकता कार्यकम का आयोजन किया गया। उपस्थित लोगों को नशा छोड़ने के लिये शपथ दिलाया गया।

नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने कहा कि नशा मनुष्य के सोचने समझने की शक्ति के साथ ही पूरे शरीर पर प्रहार करता है। इसका प्रहार इतना प्रखर होता है कि धीरे धीरे शरीर ही नष्ट हो जाता है। यह एक ऐसा धीमा जहर होता है कि लोग जब तक इसके दुष्परिणामों को समझ पाते हैं तब तक उनका अंत हो जाता है। नशा कई रूपों में किया जाता हैं शराब, तंबाकू, पाउच आदि सभी नशे की श्रेणी में आते हैं। इन सब में तंबाकू का सेवन भारत में सबसे अधिक होता है। करीब आधी दुनिया में भले ही तंबाकू पर प्रतिबंध को लेकर जोर शोर से दावे किए जा रहे हों लेकिन वास्तव में यह दुनिया भर में एक वर्ष में 54 लाख जानें लील रहा है। ऐसी स्थिति में युवाओं को जागरूक करना होगा। कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार अनेक योजनाओं का संचालन कर रही है।

कार्यक्रम में डा. नवीन सिंह, विशाल पाण्डेय, शशांक शुक्ल ने कहा कि दुनिया में एक अरब लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। भारत में सालाना 9 लाख मौतें तंबाकू से होती हैं। दस में से एक मौत में तंबाकू वजह बनती है। वहीं विश्व में तंबाकू सेवन में भारत का दूसरा स्थान है। यह चिंतनीय है, आशंका ये भी जताई जा रही है कि 2030 तक 80 लाख लोगों की तंबाकू से मौतें होंगी। ऐसी स्थिति में जागरूकता अभियान तेज कर युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना होगा।

कार्यक्रम में वृहस्पति पाण्डेय,, ओम प्रकाश मिश्र, अर्जुन सोनकर, मनोरमा चौधरी, अरूण सिंह, वृजेश पाण्डेय, अरूण कुमार, सुशील कुमार, मो. आरिफ के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अक्टूबर 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

बदहाल होती सरकारी स्वास्थ्य सेवायें

अच्छा स्वास्थ्य एक अमूल्य पूंजी है जिसकी तुलना किसी भी अन्य पदार्थ से नहीं की जा सकती। आरोग्यता कायम रखने हेतु स्वस्थ जीवनशैली अपनाना जितना अनिवार्य है, उतना ही आवश्यक है चुनौतियों के रूप में प्रकट होने वाली आधि–व्याधियों का समय रहते सही उपचार होना। इस संदर्भ में निजी उपचार केंद्रों की बात करें तो भारी–भरकम फीस चुकता कर इलाज करवाना हरेकके बस की बात नहीं। सामान्य अथवा बामुश्किल 2 वक्त की रोटी कमाने वाले निम्न वर्ग की एकमात्र उम्मीद सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ही हैं, जहां मुफ्त अथवा सस्ती दरों पर उपचार लाभ प्राप्त हो पाए। एकबड़ी जनसंख्या की दुविधा भांपते हुए यद्यपि देश के सभी भागों में विभिन्न स्तरों पर सरकारी उपचार केंद्रों की स्थापना की गई है तथापि उद्देश्य की सार्थकता खंगालने के ध्येय से व्यवस्थात्मकढांचे पर दृष्टिपात करें तो समुचित प्रबंधन के नाम पर केवल मुंह चिढ़ाते नजर आएंगे।

अक्सर ऐसी अनेकों घटनाएं देखने में आएंगी, जहां जन सामान्य सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की खस्ताहाली का शिकार होता नजर आया। मीडिया द्वारा बार–बार चेताने के बावजूद स्थिति सुधरने का नाम ही नहीं लेती। हालांकि पूर्व राष्ट्रीय नीति में देश की जी.डी.पी. का 2.5 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च किए जाने संबंधी आश्वासन दिया गया था किंतु वस्तुस्थिति कुछ और ही तस्वीर दर्शाती है। कहीं दवाइयों की अपर्याप्तता तो कहीं मूलभूत सुविधाओं का भारी अकाल।

चुनिंदा सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ही होंगे जहां जांच हेतु आवश्यक अत्याधुनिक मशीनों के साथ इन्हें संचालित करने वाले कारीगरों की उपलब्धता भी संतोषप्रद बनी रहे। विशेषज्ञों की गैर–मौजूदगी में संयंत्रों का पर्याप्त उपयोग न हो पाना अथवा रख–रखाव में बरती लापरवाही के चलते मशीनों का अनुपयोगी बन जाना प्रबंधनात्मक छलावे के अतिरिक्त कुछ नहीं। चिकित्सा केंद्रों पर कार्यरत डाक्टरों की अक्सर नदारद रहने संबंधी शिकायतें आम हैं। बहुतेरे डाक्टर व्यक्तिगत सेवाएं देने को लेकर चर्चित रहते हैं तो कुछ अपने विवादास्पद रवैये के चलते डाक्टरी पेशे की गरिमा को धूमिल करने का पर्याय बनते हैं। सरकार द्वारा नैशनल हैल्थ मिशन (एन.एच.एम.) के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों का निरीक्षण करने के उपरांत कुछ माह पूर्व तैयार की गई रिपोर्ट व्यवस्था को आईना दिखाने के लिए काफी है। केंद्रीय एजैंसी की रिपोर्ट के तहत, देश के करीब 80 फीसदी सरकारी अस्पताल स्वास्थ्य मानकों पर खरे नहीं उतर पाए।

वर्ष 2007 तथा 2022 में संशोधित भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों के आधार पर सरकार द्वारा देश भर में सरकारी अस्पतालों के संदर्भ में पड़ताल की गई, जिसके तहत विभिन्न राज्यों में चयनित 40,451 अस्पतालों में से 32,362 को 100 में से 80 से कम अंक हासिल हुए, जबकि 17,190 अस्पतालों में अंक संख्या 50 से भी न्यून रही। संसाधनों के मामले में मात्र 8089 अस्पताल ही 80 से अधिक अंक प्राप्त कर पाए। सरकारी अस्पतालों में डाक्टर, नर्स व आवश्यक उपकरणों की भारी कमी पाई गई। 8,000 से अधिक अस्पतालों में 14 प्रकार की जांच सुविधाएं तकउपलब्ध नहीं। बड़ी–बड़ी घोषणाओं के बावजूद देश के 80 फीसदी अस्पतालों की दशा बेहद खराब निकलना निश्चय ही विडंबना का विषय है। नियमानुसार, सरकारी अस्पतालों का 60 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार वहन करती है, जबकि शेष 40 प्रतिशत राज्य सरकार के जिम्मे रहता है लेकिन प्राप्त सुविधाओं पर दृष्टि डालें तो उचित व स्तरीय उपचार की गारंटी मिलना तो दूर, सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं मिलने को लेकर भी संशयपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

हालांकि विषय को गंभीरतापूर्वक लेते हुए केंद्र सरकार ने गत वर्ष दिसंबर 2026 तक सभी अस्पतालों को बेहतर बनाने की बात कही थी किंतु मौजूदा हालात तो यही बयां करते हैं कि देश के हैल्थ सैक्टर की समूची तस्वीर सरकारी चिकित्सा तंत्र के अंतर्गत सेवारत अधिकारियों, कर्मचारियों के कर्त्तव्यनिष्ठ बने बिना बदलनी संभव नहीं। देश के सर्वांगीण विकास में नागरिकों का योगदान विशेष महत्व रखता है किंतु यह तभी संभव होगा, जब वे शारीरिकव मानसिक तौर पर पूर्णरूपेण स्वस्थ हों। जो चिकित्सीय प्रणाली स्वयंमेव रुग्णावस्था में हो, वहां जाकर उपचार करवाने का विचार भी निरूसंदेह घबराहट ही देगा। निजी अस्पताल में इलाज करवाने की सोचें तो जेब कतई इजाजत नहीं देती ऐसे में अर्थाभाव से जूझते देश के नागरिक रोगग्रस्त होने की दशा में उपचार हेतु जाएं भी तो कहां? इसका समाधान ढूढना ही होगा।

देवता, दानव और राजनीतिक दल

–ज्योति मल्होत्रा–

समस्त भारत में पिछले हफ्ते बुराई पर अच्छाई की जीत का मंचन चला। शुक्रवार को चंडीगढ़ में मेरे घर के पीछे, गढ़वाल की एक रामलीला मंडली ने लक्ष्मण द्वारा रावण के योद्धा–पुत्र मेघनाद का वध किए जाने वाले प्रसंग की नाट्य प्रस्तुति की, जैसा कि नवरात्रों के नौवें दिन किया जाता है। चमकते तारों की रोशनी तले और आइसक्रीम विक्रेता की आवाज के बीच, यह गाथा अनवरत अपने तार्किक निष्कर्ष की ओर बढ़ रही थी। रावण को बस अगले ही दिन यानी शनिवार को राम के अचूक बाण से मरना बाकी था।

तथापि, जब आप रामलीला से घर लौट रहे होते हैं, तो इस तथ्य से बच नहीं सकते कि देवता भी समय आने पर सभी रणनीतिक उपायों को इस्तेमाल करते हैंदृ मसलन, प्रसिद्ध बंगाली कवि माइकल मधुसूदन दत्त के अनुसार, लक्ष्मण ने मेघनाद को एक मंदिर में घेर लिया, जहां वह निहत्था था और उसका वध किया। इस बीच, बंगाल में माहौल देवी मय रहा, मंजीरों की तेज आवाज से ताल बैठाता ढाक–वादकों का कर्णभेदक नाद और पुजारी के दीपक से उठते धुएं के साथ देवी दुर्गा दानव महिषासुर का वध करने के लिए पूरी तरह तत्पर थी। कोलकाता के एक पंडाल में बनाई एक आश्चर्यजनक झांकी में देवी को एक महिला डॉक्टर को अपनी बाहों में समेटे दिखाया गया, जो सफेद कोट पहने और स्टेथोस्कोप से लैस थी दृ यह आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा डॉक्टर की क्रूरतापूर्वक हत्या व दुराचार पर जारी विरोध का सीधा द्योतक था।

पिछले से पिछले सप्ताह, भारत के पुरुष और महिला रूपी देवों ने भी अपनी मानवी लड़ाइयां लड़ीं, जबकि हरियाणा और जम्मू एवं कश्मीर के राजनेता एक–दूसरे की देखादेखी में वह सब करने में लगे थे, जिससे फायदा होने की उम्मीद हो दृ हरियाणा में भाजपा चकित कर देने वाली अपनी जीत का जश्न मना रही है, जबकि इंडिया गठबंधन जम्मू और कश्मीर में मिले जनादेश को लेकर गौरवान्वित हो रहा है। दोनों राज्यों में, मतदाता ने मनमानी करने वाली राजनीतिक ताकतों को दंडित किया है, जो मतदाता को गंभीरता से नहीं लेते।

दुर्भाग्यवश, कांग्रेस पार्टी अभी भी इस तथ्य को मानने से इनकार कर रही है कि भाजपा ने हरियाणा में ईमानदार और स्पष्ट रूप से जीत अर्जित की है। भगवा पार्टी ने कड़ी मेहनत की, लीक से हटकर हर संभव प्रयास किया, हर तरीका बरता। आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा घर–घर जाकर प्रचार करने के अलावा प्रत्येक सीट की माइक्रो मैनेजमेंट की, यह सुनिश्चित किया कि विपक्षी उम्मीदवारों के वोट में सेंध लगाने को प्रत्याशी खड़े किए जाएं या फिर डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को पैरोल पर रिहा करवाने तक, ताकि अंदरखाते दिए उसके संदेश का राज्य भर की लगभग 35 सीटों पर असर हो। ऐसा कुछ बचा नहीं,जो भाजपा ने छोटे से सूबे हरियाणा में करने की कोशिश न की हो।

भाजपा के पक्ष में जनादेश ने कांग्रेस पार्टी को सकते में डाल दिया है। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने दोष ईवीएम पर मढ़ने की कोशिश की, उनका कहना है कि भाजपा ने सोर्स कोड के साथ छेड़छाड़ की दृ यह एक ऐसा आरोप है, जोकि मतदाता के विवेक पर प्रश्नचिन्ह है (हालांकि बाद में इस आरोप को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है क्योंकि समझदार कांग्रेस नेता–नेत्रियों ने महसूस किया कि इससे लोकतांत्रिक जनादेश का कितना नुकसान हो सकता है)। बदतर है कि राहुल गांधी ने हार का ठीकरा क्षेत्रीय क्षत्रपों भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बीच अंदरूनी लड़ाई पर फोड़ कर मामला रफा–दफा करने कोशिश की है।

स्पष्टत:, इससे खराब शायद ही कुछ हो कि कोई नेता अपनी टीम की हार की जिम्मेवारी खुद पर लेने से इनकार करे– खासकर उस सूरत में, यदि राज्य में उनकी पार्टी जीत जाती तो सारा श्रेय उन्हीं को दिया जाता। एक जांच बैठा दी गई है, लेकिन लगता है कि राहुल खुद आगे बढ़ चुके हैं। इस एक इशारे में नैराश्य और अहंकार, दोनों नजर आते हैं। कुलीनता भरे अहसास का भाव होता है दृ आप मेरे प्रति जवाबदेह हैं, लेकिन यदि आप नहीं होते, तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

जम्मू–कश्मीर में भी ठीक यही हुआ। कांग्रेस ने इस प्रकार अधिकार जताने वाला व्यवहार किया कि जम्मू में सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार छांटने तक की परवाह नहीं कीदृ लोगों ने तो हमें वोट देनी ही है, क्योंकि वे भाजपा से बहुत त्रस्त हैं– यह खामख्याली पाले रखी। निश्चित रूप से यह सत्य है कि पूरे एक महीने पहले, सितंबर के मध्य तक भी, अनेकानेक वजहों से भाजपा जम्मू से गंभीर रूप से मुश्किल स्थिति में थी,लेकिन यह श्रेय उसके स्थानीय नेतृत्व को जाता है कि इससे निकलने में कड़ी मेहनत की। आरएसएस–भाजपा ने महसूस किया कि वे जम्मू में खराब प्रदर्शन करना गवारा नहीं कर सकते, क्योंकि यह हिंदुत्व की वैचारिक नींव है। जब परिणाम आए, तो भाजपा ने 29 सीटें जीतीं,जो खुद उसकी अपनी अपेक्षाओं से काफी बेहतर रहा।

यह पक्का है, भाजपा जम्मू–कश्मीर को लेकर निश्चिंत है, क्योंकि भले ही उमर अब्दुल्ला ने लोकप्रिय जनादेश हासिल कर लिया हो, वह नवनिर्वाचित विधानसभा के सभी अधिकार बहाल नहीं करेगी, कम से कम फिलहाल तो नहीं। तब श्रीनगर में भी दिल्ली की भांति उपराज्यपाल अपने आका के कहे पर चलेंगे।

फिर भी, भाजपा के बारे में आपका जो भी मत हो यह बात आप भी मानेंगे कि वह सीखती भी तेजी से है, और जरूरत पड़ने पर वांछित परिणाम पाने को अपना अहंकार तक तज देती है। हरियाणा में यही हुआ। भाजपा को अहसास हो गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान उछाले गये अतिशयी नारे (अबकी बार–400 पार) को यूपी के दलितों ने संविधान में संशोधन करने और अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए तय 22.5 प्रतिशत आरक्षण से छेड़छाड़ करने के खतरे के रूप में लिया। यही कारण है कि राजनीतिक रूप से भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य में उसे 29 कीमती सीटें गंवानी पड़ीं। इसीलिए हरियाणा में भाजपा ने हर संभव प्रयास किया कि जाटों (हुड्डा की जाति) और दलितों (कुमारी सैलजा की जाति) के बीच एका न होने पाए –यह महसूस करते हुए कि अगर इसे नहीं रोका गया, तो घातक होगा। जब हुड्डा और सैलजा के बीच सार्वजनिक तौर पर ब्यानों के जरिये यह होड़ लगी हुई थी कि हरियाणा की गद्दी पर बैठने का कौन अधिक हकदार है, तो आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने हर गांव और मोहल्ले में यह संदेश पहुंचाया रू यदि जाट सत्ता में आए (हुड्डा का संदर्भ) तो दलितों और पिछड़ों के साथ बुरा व्यवहार होगा, ठीक वैसा ही, जैसा कि अब सैलजा के साथ हो रहा है।

हालांकि, यह सब अब यमुना के पानी में समा चुका है। भाजपा के नायब सिंह सैनी 17 अक्तूबर को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा की सत्ता की परंपरागत जाट प्रभुत्व वाली बिसात को उलटकर समीकरण पिछड़ी एवं दलित जातियों की ओर मोड़ने वाली रणनीति कारगर रही। हरियाणा में जीत हासिल करके भाजपा ने कांग्रेस पार्टी के बढ़ते ग्राफ को रोक दिया है। इसने कांग्रेस के अति–आत्मविश्वासी, परस्पर उलझे क्षत्रपों को एक–दूसरे के खिलाफ खुलकर दोषारोपण करने को उकसाया है और इस प्रकार पार्टी की एकता कमजोर हुई है। इसने एक बार फिर दिखा दिया है कि राहुल गांधी भले ही एक सहज इंसान हों, लेकिन वे महाभारत की धरती को वास्तव में नहीं समझ सके।

क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? कि जिस प्रकार रावण एक घातक बाण से गिराया गया या महिषासुर का वध देवी दुर्गा ने किया, लगता है इस सवाल का सिर्फ एक ही जवाब है हां।–लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

मौत की रील बनाने का खतरनाक शौक

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

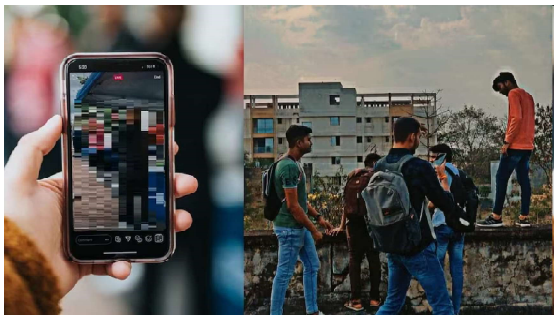

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में खुद्द को जोखिम में डाल रहे हैं। भारत में टिकटॉक पर बैन लगने के बाद रील्स और मीस बनाने का चलन सामने आया। इसके बाद लोग इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने लगे। रील्स में इंफॉर्मेशनल, फनी, मोटिवेशनल और डांस समेत कई तरह के वीडियो होते हैं। रील्स एक तरह का इंस्टाग्राम पर शॉर्ट वीडियो होता है। शुरुआत में यह रील्स 30 सेकंड का होता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 90 सेकंड का कर दिया है। रील बनाने का युवाओं के बीच ऐसा क्रेज आजकल है कि वह कहीं भी रील बनाने लग जाते हैं। कई बार इस रीलबाजी के चक्कर में लोग अपना ही नुकसान भी करा बैठते हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के शगल के कारण युवा जिन्दगी में रील बनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कब यह शौक सनक की हद तक पहुँच जाता है, पता ही नहीं चलता। नियमों को ताक पर रखकर रील बनाने के जुनून में जान तक गंवा देते हैं। शहर में ही युवाओं को फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक, फ्लाई ओवर पर, चलती रेल में कोच के डिब्बे के बीच खड़े होकर या बाइक चलाते हुए रील बनाते देखा जा सकता है।

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में खुद्द को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में खुद्द के साथ–साथ कई बार दूसरों तक की जान से खिलवाड़ कर डालते हैं।

लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक–चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या वलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना।

रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज़्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य–व्यंग्य, खान–पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है। रील्स की बजाय अपने दोस्तों के साथ समय गुजारें मॉर्निंग वॉक के साथ व्यायाम करने में समय बिताएंरील्स देखने के कारण बच्चे वर्चुअल ऑटिज्म के शिकार हो रहे हैं, उन्हें मोबाइल से दूर रखेंबच्चों के सामने कम से कम मोबाइल का इस्तेमाल करेंबच्चों को वक्त दें, उनसे पारिवारिक बातें करें।

फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए टेलेंट होना बहुत जरूरी है। यदि आपके अंदर टेलेंट है तो फॉलोअर्स अपने आप ही बढ़ जाएंगे। यदि युवा ट्रैक पर खड़े होकर रील बना रहे है तो बहुत गलत है। इससे दूसरे बच्चों पर भी गलत असर पड़ेगा। रील बनाने वालों के साथ उनकी वीडियो देखने वालों की भी मूर्खता है। इनका विरोध करना चाहिए। युवा जल्दी फेमस होने के लिए रील बना रहे हैं, जोकि बहुत गलत है। मैं कई जगह रेलवे ट्रैक और फ्लाई ओवर पर रील बनाते हुए युवाओं को देखता हूँ। उन्हें रील बनानी है तो सबसे पहले सुरक्षित जगह चुनें। बच्चे रेलवे ट्रैक या फिर रिस्क वाली जगह पर रील बना रहे हैं तो माता–पिता को इन पर निगरानी रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। युवा फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए एक–दूसरे की देखादेखी कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता होता कि इसका नतीजा क्या होगा। उन्हें वास्तविकता का पता नहीं है। बच्चे अपने माता–पिता की बात नहीं मानते हैं। जो उम्र पढ़ने की होती है उसमें रील बना रहे हैं। रिस्क भी ज़्यादा लेते हैं। ऐसे बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों की भी काउंसिलिंग की जरूरत है। युवाओं के साथ–साथ अब छोटे बच्चों में भी मोबाइल पर रील्स बनाने की आदत होने लगी है। बच्चे घर पर अकेले रहते हैं सोशल मीडिया का अट्रैक्शन है। सबको अच्छा लगता है कि उन्हें लोग पसंद करे, तारीफ करें। इससे बचने का यही उपाय है कि बच्चों को मोबाइल का प्रयोग कम करने दे। मोबाइल देखते समय बड़े उनके साथ ही रहें, जिससे वह कुछ गलत ना कर सके।

युद्ध से मानवता पर संकट

–सुरेश सेठ–

इस्राइल और हमास के बीच की भीषण लड़ाई को एक वर्ष पूरा हो चुका है। इस संघर्ष ने डेढ़ करोड़ लोगों पर गहरा असर डाला है। लगभग 42,000 लोगों की जान गई, जिनमें 16,000 फलस्तीनी बच्चे शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप 18,000 से अधिक बच्चे अनाथ हो गए हैं। लेबनान की 55 लाख की आबादी में हर पांचवां व्यक्ति इस्राइली हमलों के कारण विस्थापित हो गया है।

पिछले दो वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का कोई अंत नजर नहीं आ रहा। जिस यूक्रेन को रूस ने कुछ नहीं समझा था, उसने नाटो, पश्चिमी देशों और अमेरिका की परोक्ष सहायता से एक भयंकर संघर्ष जारी रखा है और साथ ही रूसी क्षेत्रों में घुसपैठ का साहस दिखाया है। दुनिया के शांति और समझौते के पक्षधर देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, ने इस युद्ध की समाप्ति के लिए पुतिन और जेलेंस्की दोनों से बातचीत की है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शांति अपीलों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

इसी तरह, एक वर्ष से इस्राइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध, जिसे नेतन्याहू ने हमास के आतंकियों द्वारा शुरू किया गया बताया है, अभी भी जारी है। इस्राइल का भीषण आक्रमण बढ़ता जा रहा है। धीरे–धीरे इस युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, जिसमें लेबनान पर इस्राइली कार्रवाइयां, हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और सीरिया–ईरान की एकता इस युद्ध के घेरे को विस्तारित कर रही है। बेशक, दुनिया युद्ध नहीं चाहती और आम आदमी, चाहे वह किसी भी कोने में हो, युद्ध की इस अफरातफरी में आवश्यक आपूर्ति के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल ही में ईरान की 200 से अधिक मिसाइलें इस्राइल पर दागी गईं, जिससे युद्ध की गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसके साथ, दुनिया को अगली चुनौती तेल आपूर्ति संकट के रूप में सामने आ सकती है। यह युद्ध केवल सीधे लड़ रहे देशों तक सीमित नहीं हैय इसके पीछे समर्थक देशों का एक छाया युद्ध भी चल रहा है, जो सहायता और संसाधनों की आपूर्ति या लड़ाई में शामिल लोगों को समर्थन देने के रूप में प्रकट होता है। शांति अपीलों के बावजूद, इस संघर्ष का अंत नजर नहीं आ रहा।

हाल ही में इस्राइल और हमास के बीच गाजा पट्टी में जारी लड़ाई और भी भयावह हो गई है। अब यह संघर्ष लेबनान तक पहुंच चुका है, जहां इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों को खाली करने का आदेश दिया है। इस्राइली सेना ने हमास के वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराने का दावा किया है। इसके बाद, लेबनान में विस्फोटों और हिज्बुल्लाह के प्रमुख नेता नसरल्लाह की मौत के साथ स्थिति और अधिक बिगड़ गई है।

इस्राइली सेना ने तीन महीने पहले गाजा पट्टी में हमास के वरिष्ठ नेता रबही मुश्ताहा और दो अन्य कमांडरों को मार गिराया था। मुश्ताहा, जो हमास के शीर्ष नेता सिनवार का करीबी सहयोगी था, पर 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हुए हमले की साजिश का आरोप है। माना जाता है कि सिनवार गाजा में छिपा हुआ है। युद्ध अब गाजा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लेबनान, सीरिया और ईरान भी इसमें शामिल हो चुके हैं, परमाणु बम की धमकियां भी दी जा रही हैं।

इस्राइल की लड़ाई लेबनान में भयानक होती जा रही है, जहां उसने फास्फोरस बम दागे हैं। चिकित्सा शिविरों, शरणार्थी शिविरों और स्कूलों पर हमले हो रहे हैं, जबकि कहा जा रहा है कि आतंकी वहां छिपे हुए हैं। हाल ही में बेरूत की एक इमारत पर हवाई हमले में 9 लोग मारे गए, जिसमें रेडक्रास के चार स्वास्थ्यकर्मियों की भी मौत हुई।

बहराइच हिंसाः ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रही हिंसा की आग, परिजन बोले-हमारे सामने करें एनकाउंटर, बुलडोजर चलाएं

संवाददाता–बहराइच। विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पत्थरबाजी और गोलीबारी में युवक रामगोपाल मिश्रा की मौत के बाद जारी प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार की सुबह आक्रोशित भीड़ ने हरदी, साधुवापुर, भगवानपुर और राजी चौराहे पर आगजनी की। वहीं, एक धार्मिक स्थल भी ध्वस्त कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने हरदी चौराहे पर विभिन्न दुकानों के बाहर लगी होर्डिंग में आग लगा दी। वही, राजी चौराहे पर टायर में आग लगा दी जिसे दमकल वाहनों ने बुझाया। यही नहीं भीड़ ने साधुवापुर चौराहे और भगवानपुर चौराहे पर भी उपद्रव किया और धाबली व छप्पर आदि को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद पहुंची पुलिस और पीएसी के जवानों ने मोर्चा संभाला और लाठी फटकार कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ा। मृतक युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने प्रशासन से न्याय की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषियों का उनके सामने एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं चौराहों के साथ गांवों में भी फैल रही है। सूत्रों के अनुसार आक्रोशित भीड़ ने चंदपईया और कबडियनपुरवा गांव में भी तोड़फोड़ और आगजनी की। जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

विसर्जन जुलूस में मृत हुए रामगोपाल का शव गांव पहुंचने के बाद भीड़ उग्र हो गई। भीड़ ने जगह जगह तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच के लिए रवाना किया। बहराइच पहुंचने के बाद तत्काल अमिताभ यश प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान महसी के रमपुरवा चौकी पर आक्रोशित भीड़ ने एडीजी के सामने ही तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिसके बाद उन्होंने अपनी पिस्टल से हवा में फायरिंग की और पिस्टल लहराते हुए प्रदर्शन कर रहे लोगों को दौड़ाया। जिसके बाद लोग मौके से भाग गए। इसके बाद मौके पर पीएसी तैनात कर दी गई। वहीं एडीजी अमिताभ यश टीम के साथ महराजगंज कस्बे की ओर रवाना हुए।

उधर, पुलिस प्रशासन के काफी समझाने के बाद परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। एहतियात के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। इसके पहले, महसी और महराजगंज के पूरे क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं होती रहीं। पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधि परिवार के संपर्क में रहे और उन्हें शव के अंतिम संस्कार के लिए मना लिया। इस बीच प्रशासन ने पूरी सख्ती दिखाते हुए रोड को पूरी तरह से खाली कर दिया। बहराइच में विरोध प्रदर्शन हिंसक होने पर पुलिस ने आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। महासी के महाराजगंज इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत पर लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस घटना पर प्रदेश सरकार एक्शन में है। सीएम योगी के निर्देश पर होम सेक्रेटरी संजीव गुप्ता एवं एडीजी लॉ एंड ऑर्डर मौके पर पहुँचे। प्रशासन के अनुसार अब तक 30 उपद्रवी हिरासत में लिए जा चुके हैं।

इस घटना पर काबू पाने के लिए 6 कंपनी पीएसी के साथ 4 एसपी रैंक के अफसर, दो एडिशनल एसपी, 6 सीओ, एक कंपनी आरएएफ को बहराइच भेज गया। रविवार को हुई घटना के बाद सोमवार को भी हंगामा जारी रहा। घटना से प्रभावित महराजगंज के टीवीएस और हीरो एजेंसी में आग लगा दी गई है। प्रशासन ने भी यह माना है कि कुछ जगहों पर आगजनी हुई है लेकिन किसी प्रकार बहराइच सांप्रदायिक हिंसा में जान गंवाने वाले रामगोपाल मिश्रा का पोस्टमार्टम सुबह साढ़े तीन बजे के बाद शुरू हुआ। पोस्टमार्टम सुबह सात बजे पूरा हुआ। इसके बाद शव उनके घर की तरफ रवाना किया गया। साथ पुलिस का बंदोबस्त मौजूद है। इस घटना के बाद क्षेत्र में अभी भी तनाव व्याप्त है। महराजगंज और महसी इलाके के निजी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई।

मामले में सुधाकर तिवारी (45), सत्यवान (40), अखिलेश वाजपेयी (55) विनोद मिश्रा (60), लाल विश्वकर्मा (55) समेत 12 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकांश लोग निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं। बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद बहराइच के कई हिस्सों में हिंसा हुई। इस बीच देर रात मुख्य आरोपी सलमान समेत कई लोगों पर एफआईआर किया किया। सूत्रों के अनुसार 20 से 25 लोगों के हिरासत में लेने की खबरें आ रही हैं। उधर दूसरी ओर पूजा कमेटी देर रात तक इस बात पर अड़ी रहीं कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो। आरोपियों को फांसी देने के नारे देर रात सड़कों पर गूंजते रहे। महराजगंज की घटना के विरोध में पूरे बहराइच जिले में बवाल बढ़ गया है। देर रात तक प्रदर्शन और जगह–जगह आगजनी होती रही। इस बीच पुलिस व प्रशासन बैकफुट पर नजर आया। डीजीपी की सख्ती के बाद देर रात हरदी थाना प्रभारी और महसी चौकी प्रभारी को निलंबित किया गया। एक साथ पूरे जिले में विरोध शुरू होने पर आला अधिकारी भी सकते में नजर आए।

महसी तहसील के हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज कस्बे में हुई घटना को लेकर लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है। जिसे देखते हुए एसपी वृंदा शुक्ला ने हरदी थाना प्रभारी सुरेश कुमार वर्मा व महसी चौकी इंचार्ज शिव कुमार को निलंबित कर दिया है। हालांकि सीओ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन पर कार्रवाई न होने से लोगों में अभी भी भारी आक्रोश है।

एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि अपने दायित्वों में लापरवाही को लेकर एसएचओ व महसी चौकी प्रभारी को निलंबित किया गया है। पूरे घटना क्रम की सघन जांच की जा रही है। कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। हालांकि एसपी की कार्रवाई के बाद भी लोगों में आक्रोश बना हुआ है। लोगों का कहना है कि थाने की पुलिस के साथ–साथ सीओ रुपेन्द्र गौड़ ने भी लापरवाही बरती और लाठियां भांजी। ऐसे में इनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी सवार दो छात्राओं को रौंदा, दोनों की मौत

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर क्षेत्र के बगहां मठिया के पास सीमेंट ईंट लेकर आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी सवार दो छात्राओं को रौंद दिया, जिससे दोनों छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। उधर, घटना के बाद ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली कब्जे में ले लिया है। घटना की खबर सुनते ही दोनों छात्राओं के परिजन भागते–दौड़ते मौके पर फिर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। खुखुंदू थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव निवासी शिवांगिनी पांडेय (22) और पिपरा शुक्ल के विशुनपुरा गांव निवासी शिवानी तिवारी (22) दोनों सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्कूटी से संत विनोबा कालेज देवरिया जाने के लिए निकली। शिवांगिनी पांडेय स्कूटी चला रही थी और शिवानी तिवारी पीछे बैठी थी। बताया जा रहा है कि शिवांगिनी पांडेय स्कूटी लेकर अभी बैकुंठपुर–देवरिया मार्ग पर बरियारपुर थाना क्षेत्र के बगहां मठिया के पास ही पहुंची थी कि सामने से तेज रफ्तार से आ रहे सीमेंटेड ईंट लिए ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी को रौंदते हुए आगे बढ़ गया, जिससे उसपर सवार दोनों छात्राओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। काफी देर तक घटना स्थल अफरातफरी मची रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिवांगिनी पांडेय अंग्रेजी से एमए तो शिवानी तिवारी एलएलबी कर रही थी। घटना की खबर मिलते ही दोनों गांवों शोक की लहर दौड़ गई। उधर, दोनों गांवों से परिवार के लोग मौके पर निकल गए। घटना के बाद दोनों परिवारों में चीख–पुकार मची हुई है। एसओ बरियारपुर डाक्टर महेन्द्र कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली चालक लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए स्कूटी सवार छात्राओं को रौंद दिया, जिससे दोनों छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया गया। चालक फरार हो गया है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

करनैलगंज में 7 साल की बच्ची का कत्ल, घर से 300 मीटर दूर गड्ढे में छिपाया शव

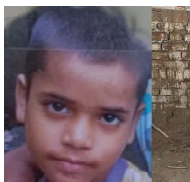

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज में सात साल की बच्ची का कत्ल कर दिया गया। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को एक गड्ढे में छिपा दिया। करनैलगंज में 7 साल की बच्ची का कत्ल कर दिया गया। कातिल ने वारदात को अंजाम देने के बाद घर के निकट गड्ढे में शव छिपा दिया था। पुलिस ने सोमवार की सुबह गड्ढे से शव निकालकर शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जिस बच्ची की हत्या हुई वह सकरौरा मोहल्ले से पांच दिन पहले लापता हो गई थी। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज की थी।

कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के सकरौरा नगर में पांच दिन से लापता सात वर्षीय बच्ची का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना 10 अक्तूबर को उस समय हुई थी जब सकरौरा निवासी रोशन अली की बेटी शाहनुमा अपने घर से अपराह्न लगभग 11 बजे दुकान पर कुछ सामान लेने गई थी लेकिन वह लौटकर घर नहीं आई। परिवार ने काफी समय तक लड़की को ढूंढने का का प्रयास किया जब कोई सफलता नहीं मिली तो पुलिस को घटना की जानकारी दी। कोतवाल श्रीधर पाठक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए तलाश कराई लेकिन बच्ची का कहीं सुराग नहीं लगा। सोमवार को पांचवें दिन सकरौरा पश्चिमी के एक घर के पीछे बने टीनशेड से दुर्गंध आने लगी, जिस पर लोगों ने देखा तो वहां शाहनुमा का शव पड़ा मिला। जिस गड्ढे से शव निकाला गया वह मृत बच्ची के घर से लगभग 300 मीटर की दूरी पर स्थित है। शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। कोतवाल ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची है और घटना की जांच में जुटी हुई है।

सांई मंदिर में हिंदू देवी देवताओं के अपमान पर भड़की हिंदू महासभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।अयोध्या राजघाट स्थित सांई मंदिर में भगवान शंकर और भगवान विष्णु की मूर्तियों के अपमान, पर भड़की हिंदू महासभा, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने कहा है कि अगर तत्काल प्रभाव से साइन मंदिर में द्वारपाल के रूप में चित्रित की जा रही भगवान शंकर और भगवान विष्णु की मूर्तियों को नहीं हटाया जाता है तो इसके लिए एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा, श्री पांडेय ने यह भी कहा है कि जनपद के अन्य हिन्दू मंदिरों में जहां जहां सांई की मूर्ति लगी है उसे तत्काल प्रभाव से हटाया जाए, श्री पांडेय ने अभी कहा है कि चांद मियां उर्फ सांई बाबा को घर–घर में पुजवा कर और उन्हें हिंदू देवी देवताओं से भी बड़ा दिखलाकर हिंदू सनातन धर्म को समाप्त करने का विश्व व्यापी षड्यंत्र रचा जा रहा है, ऐसे किसी भी षड्यंत्र और पाखंड को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हिंदू सनातन धर्म में भगवान के 24 अवतार बताए जाते हैं और उन सभी 24 अवतारों में सांई का कहीं भी कोई स्थान नहीं हैं? इससे स्पष्ट है कि चांद मियां उर्फ सांई बाबा को हिंदू सनातन धर्म में विधर्म फैलाने के लिए जानबूझकर आगे लाया गया है श्री पांडेय ने यह भी कहा है कि सांई को हिंदू देवता के रूप में प्रतिष्ठित कर और हिंदू मंदिरों में उसकी मूर्ति लगाने का कार्य एक इस्लामिक षड्यंत्र के तहत किया जा रहा है, एक मांसाहारी, एक व्यसनी व्यक्ति कभी भी हिंदू देवता के रूप में प्रतिष्ठित नहीं हो सकता हिंदू समाज को इससे सावधान रहने की आवश्यकता है

कहां से आया असलहा, हर घर की हो तलाशी

संवाददाता–श्रावस्ती। बहराइच के महाराजगंज में प्रतिमा विसर्जन यात्रा पर पथराव व गोली कांड से हिन्दू संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। श्रावस्ती में भी हिन्दू संगठन के लोगों ने बाजार बंद कर पैदल मार्च निकाल विरोध जताया। साथ ही हर एक घरों की तलाशी लेने की मांग की। बहराइच जनपद के महशी क्षेत्र स्थित महराजगंज में रविवार को प्रतिमा विसर्जन को लेकर यात्रा निकाली जा रही थी। डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों में झड़प हो गई। जिसके बाद एक समुदाय के लोगों ने श्रद्धालुओं पर पथराव करते हुए गोली चला दी और दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर श्रावस्ती में हिन्दू संगठन के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। सोमवार को विश्व हिन्दू परिषद के जिला सहमंत्री कमलेश उर्फ ननकू शुक्ला की अगुवाई में गिलौला बाजार बंद कर पैदल मार्च निकाला गया। साथ ही बहराइच की घटना को विरोध किया। लोगों ने जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। जानकारी होते ही गिलौला थाना प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया। लोगों ने कहा कि हमारे धार्मिक आयोजन पथराव किए जा रहे हैं यह गलत है। पुलिस को दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही पता लगाना चाहिए कि इनके पास असलहे कहां से आ जाते हैं।

संगठन के लोगों ने मांग की कि श्रावस्ती में भी इनके प्रत्येक घरों की तलाशी ली जानी चाहिए। क्योंकि यह लोग बवाल कर हमेशा असलहा प्रयोग करते हैं। इनके पास असलहा कहां से आता है। इसकी भी बरीकी से जांच की जानी चाहिए। वहीं मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाय। प्रभारी निरीक्षक के समझाने पर लोग शांत हुए और प्रदर्शन को स्थगित कर दिया। इस मौके पर प्रेम कुमार, श्यामता प्रसाद, कोइले पटवा, महेन्द्र मदेसिया, भोला गुप्ता, विष्णु जायसवाल, बबलू जायसवाल समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शहर में लगा जाम, स्कूली बच्चे परेशान

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज शहर के कालेज रोड पर स्थित जिला परिषद मार्केट के सामने सड़क पर एक ट्रक के बीचों बीच खड़ा होने से सड़क जाम लग गया। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे स्कूली बच्चे व राहगीरों को भी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

सोमवार की सुबह जिला परिषद मार्केट में गैस लदा ट्रक मोड़ने से सड़क पर जाम लग गया। इससे सुबह स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कतों सामना करना पड़ा। काम पर जाने वाले रमेश, सूरज, कमलेश, संतराम, मंजेश ने कहा कि हर रोजा ट्रांसपोर्ट की गाड़ी सड़क पर खड़ा होने से जाम लग जाता है। वहीं छोटी या बड़ी वाहन चालक जल्दी निकलने के होड़ में रास्ता जाम कर देते हैं। दूसरी तरफ निकलने की जगह ही नहीं बचती है। लोगों की मदद से करीब एक घंटे बाद जाम से निजात मिल सकी। यातायात प्रभारी अरुणेंद्र सिंह ने कहा ट्रक खराब हो गया था। मिस्त्री बुलाकर ट्रक को ठीक कराया गया। इसके बाद ट्रक को किनारे करवा कर रास्ता खुलुवाया गया। ट्रक का चालान भी काटा गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ी में मिला दलित मजदूर का शव

संवाददाता–बलरामपुर। घर से निकले दलित मजदूर का शव 24 घंटे बाद सोमवार सुबह 10 बजे सड़क किनारे झाड़ी में पड़ा मिला है। मजदूर के शरीर पर खरोच व चोट के निशान पाए गए हैं। फोरेन्सिक टीम ने घटना स्थल की जांच की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पिता का कहना है कि उसके परिवार की किसी से रंजिश नहीं है। उन्होंने पुत्र के मौत की निष्पक्ष जांच किए जाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। मामला कोतवाली नगर के ग्राम पंचायत देहात का है।

बलरामपुर देहात निवासी राजले ने बताया कि उनका पुत्र 35 वर्षीय धर्मेन्द्र मजदूरी करके घर का खर्च चला रहा था। रविवार सुबह 10 बजे वह भोजन के बाद घर से निकला था। वह कहां जा रहा है इस बात की जानकारी उसने किसी को नहीं दी थी। देर शाम तक वह नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की गई। रिश्तेदारों के घर पता किया तो वहां भी धर्मेन्द्र के बारे में पता नहीं चल सका। सुबह सूचना मिली कि किसी युवक का शव तुलसीपुर बिजलीपुर रोड स्थित पेट्रोल पम्प के निकट गड्ढे में झाड़ियों के बीच पड़ा है। शव की पहचान धर्मेन्द्र के रूप में हुई। घटना की जानकारी पाकर नगर कोतवाल शैलेश कुमार सिंह फोरेन्सिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धर्मेन्द्र के चेहरे पर खरोच के निशान थे। शरीर के अन्य अंगों में भी चोट दिख रही थी। फोरेन्सिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित किए। राजले का कहना है कि उनके परिवार की किसी से दुश्मनी नहीं है। धर्मेन्द्र की मौत का सच सबके सामने आना चाहिए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि राजले ने कोई तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

पुलिस चौकी पर बुलाई गयी शांति कमेटी की बैठक

संवाददाता–गोण्डा। दुर्गा विसर्जन के दौरान जिले में व पड़ोसी जनपद बहराइच में भड़की हिंसा के मददेनजर स्थानीय पुलिस चौकी नगर में सोमवार को एक शांति कमेटी की बैठक बुलाई गयी। इसमें नगर के संभ्रान्त लोगों व व्यापारियों से शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील के साथ अफवाहों पर ध्यान न देने की बात पर चर्चा की गयी। एसडीएम भारत भार्गव ने कहा कि आप सभी नगर वासी पूरे इलाके में अमन व शांति बनाये रखते हुए गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखने में प्रशासन की मदद करे। कहीं से भी कोई असामाजिक तत्वों को न पनपने दें। अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न देते हुए हमेशा सही जानकारी रखें। पुलिस व प्रशासन आपके साथ है। इस मौके पर कोतवाल श्रीधर पाठक ने कहा कि नगर आपका है इसकी सुरक्षा व शांति की जिम्मेदारी जितना पुलिस व प्रशासन पर है उससे कहीं अधिक आप सभी नगर वासियों की भी जिम्मेदारी बनती है। नगर में शांति व सौहार्द बना रहेगा तो नगर का विकास व आपका व्यापार दिनरात बढ़ेगा। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने पुलिस व प्रशासन का सहयोग करने का आश्वासन देते हुए हर हाल में नगर में शांति बनाये रखने का आश्वासन दिया। इस मौके पर कन्हैयालाल सोनी, संजय यज्ञसैनी, मुन्ना नेता, रफी उल्ला अंसारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एक दिन के लिए बीडीओ बन छात्रा ने समस्याओं का किया निस्तारण

संवाददाता–बलरामपुर। निशन शक्ति पांचवें चरण कार्यक्रम के तहत इंटरमीडिएट की छात्रा पलक वर्मा को एक दिन का खण्ड विकास अधिकारी बनाया गया। बेटी को ब्लॉक के ज्वाइंट बीडीओ सुनील आर्य ने स्मृति चिन्ह व बुके देकर सम्मानित किया। तुलसीपुर विकासखंड कौवापुर के ज्वॉइंट बीडीओ सुनील आर्य ने छात्रा को बीडीओ के कुर्सी पर बैठाकर कार्यभार ग्रहण कराया। एक दिन के बनी बीडीओ छात्रा ने विभागीय विकास योजनाओं से संबंधित जानकारी ली। ग्राम पंचायत अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों की बारीकियां से अवगत हुई। बीडीओ बनी छात्रा ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। इसके साथ तीन शिकायतों का निस्तारण भी किया। जिसमें अशोक सोनकर राशन ने कार्ड से संबंधित प्रार्थना पत्र दिया, जिसे संबंधित को अवगत कराकर निराकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही आयशा ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया, जिसे सचिव का अवगत कराकर प्रमाण पत्र जारी कराने का आदेश दिया। ज्वाइंट बीडीओ ने कहा कि शासन की मिशन शक्ति अभियान की पांचवें चरण की पहल सराहनीय है।

हनुमानगढ़ी के भरत मिलाप को राष्ट्रीय भारत मिलाप घोषित किया जाए –डॉ महेश दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के भगवताचार्य स्मारक सदन में संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के सौजन्य से अयोध्या के प्रतिष्ठित संत महंत भगवान श्री राम के चरित्र पर आधारित रामलीला का आयोजन करते आ रहे और विजयदशमी रावण संघार में के बाद प्रभुश्री राम 14 वर्ष बाद अयोध्या वापस आते हैं और 14 वर्ष से नंदीग्राम में तपस्या कर रहे भरत जी प्रभु श्री राम से मिलते हैं यह अनुपम मिलन पिछले 125 वर्षों से मोदनवाल समाज द्वारा कराया जाता है इस वर्ष भी इसका भव्य आयोजन हुआ जिसको देख हजारों की संख्या में लोग मंत्र मुग्ध हो गए। भरत मिलाप की यात्रा में भागवताचार्य स्मारक सदन से न्यास के महासचिव महंत संजय दास, कोषाध्यक्ष महंत अवधेश कुमार दास, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ राघवाचार्य, नागा राम लखन दास के साथ अयोध्या के सैकड़ो की संख्या में संत महंत भरत जी प्रभु श्री राम से मिलने के लिए बजे बजे हाथी घोड़े के साथ निकलते हैं रामकोट की परिक्रमा करते हुए हनुमानगढ़ी पहुंचने हैं जहां प्रभु श्री राम और भरत जी का मिलन होता है चारों तरफ जय जयकार

होता है हनुमान जी महाराज के पार्षद से प्रभु श्री राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी की आरती हुई और सभी लोग जय जयकार करने लगे।

इस अवसर पर मोदनवाल समाज भारत मिलाप में उपस्थित सभी संतो महंतों का स्वागत सम्मान करता है। स्वागत की कड़ी जगतगुरू राघवाचार्य महाराज ने कहा कि यह परंपरा में बचपन से देखते आ रहा हूं और 125 वर्षों की यात्रा कभी बंद नहीं होनी चाहिए। श्री हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महेश दास महाराज ने कहा कि यह बैरागी की नगरी है और इसका दोहन करने वाले व्यक्तियों को यह नगरी कभी माफ नहीं करती है क्योंकि यह भारत जी की तपस्थली है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता हूं कि इस भारत मिलाप को राष्ट्रीय भरत मिलाप घोषित किया जाए। महंत संजय दास महाराज ने कहा कि 125 वर्षों से मोदनवाल समाज भरत मिलाप करवाता है मैं अयोध्या के सभी व्यापारियों को धन्यवाद देता हूं। मोदनवाल समाज की तरफ से पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता ने सभी संतों का आभार व्यक्त किया। संचालन कोषाध्यक्ष महंत अवधेश कुमार दास ने किया। इस अवसर पर महंत मनीष दास,व्यवस्थापक हेमंत दास, सचिन शिवम श्रीवास्तव अध्यक्ष नन्द लाल मोक्षवाल, मंत्री सुरेंद्र कुमार मोदनवाल, उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता, पंकज गुप्ता, व्यवस्था प्रमुख सुरेश मोदनवाल, वैजनाथ मोलकल, ओमकार मोदनवाल, रोहित, अचल गुप्ता समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सकरौरा में घर से पांच सौ मीटर की दूरी पर छप्पर के नीचे दबी मिली लाश

संवाददाता–गोण्डा। पांच दिन लापता सात वर्षीय बालिका की हत्या करके उसका शव मोहल्ले में एक छप्पर के नीचे दबा दिया गया। सोमवार को बदबू उठने पर बालिका का शव वहां से बरामद किया गया है। पुलिस ने बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी होते ही मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गयी। बच्ची की मौत से परिजनों का रो–रो बुरा हाल है। सोमवार सुबह मौके पर पहुंचे सीओ उमेश्वर प्रभात सिंह ने बताया कि बालिका की हत्या के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा। पुलिस जांच में जुटी है, जल्द ही खुलासा होगा। घटना कोतवाली इलाके स्थित करबा पुलिस चौकी के सकरौरा से जुड़ी है। लोहिया पुल के पास छप्पर आदि रखकर रौशन अली का परिवार रहता है। वह ठेलिया चलाकर परिवार का पालन करते है। बीते गुरुवार को 11 बजे दिन में रौशन अली की सात वर्षीय बेटी शहनुमा अपने घर से पास की दुकान पर कुछ सामान लेने गयी हुई थी। काफी समय बाद वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्ची नहीं मिली तो रात में कोतवाली जाकर घटना की तहरीर दी। इसके बाद पुलिस बच्ची की तलाश कर रही थी। परिजनों व पुलिस के काफी खोजबीन के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। सोमवार की सुबह मुहल्ले में रौशन अली के घर से करीब पांच सौ मीटर दूरी पर स्थित छप्पर के नीचे से बदबू आता देख कुछ लोगों ने इसकी सूचना कोतवाली में दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छप्पर के नीचे जमीन में गड़ा बालिका का शव बरामद कर लिया। बच्ची की मौत वाली खबर जैसे ही उसके परिजनों को मिली तो सभी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की खबर पूरे इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गयी।

हृदय रोगी बच्चों को इलाज के लिए भेजा गया अलीगढ़

संवाददाता–श्रावस्ती। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हृदय रोग से ग्रसित 16 बच्चों को चिन्हित किया गया था। सभी बच्चों को इलाज के लिए जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज अलीगढ़ भेजा गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर से सभी 16 बच्चों व अभिभावकों को बस में बैठाकर हरी झंडी दिखाकर अलीगढ़ जनपद के लिए रवाना किया। बच्चों के साथ में जिले में तैनात आरबीएसके कार्यक्रम के डीईआईसी मैनेजर प्रतीक शाक्य व मेडिकल ऑफिसर विजय भारत भी अलीगढ़ रवाना हुए। रवानगी से पहले जिलाधिकारी ने बच्चों व उनके परिजनों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना। डीएम ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्मजात रोग से ग्रसित शून्य से 19 वर्ष तक के बच्चों का निशुल्क उपचार सरकार की ओर से कराया जा रहा है। जिसमें जन्मजात हृदय रोग भी शामिल है।

बाबा सिद्दीकी मर्डरः एसटीएफ का शक- बिश्नोई गैंग के लिए पूर्वांचल में शूटर तैयार कर रहा शशांक

संवाददाता–गोरखपुर। महाराष्ट्र में एनसीपी के बड़े नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक बार फिर चर्चा में है। इस कांड के तार यूपी के पूर्वांचल से जुड़ने के बाद खुफिया तंत्र को भनक लगी है कि इस गैंग के लिए शूटर शशांक पांडेय तैयार कर रहा है। एसटीएफ सूत्रों की मानें तो उसने लग्जरी लाइफ और जरायम की चकाचौंध को दिखाकर शहर के करीब दस मनबढ़ युवाओं को गैंग से जोड़ा है। मुंबई पुलिस शशांक की फाइलें खंगलवा रही है। इसके अलावा बिहार, कुशीनगर और देवरिया के युवाओं को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जोड़ा गया है। एसटीएफ सूत्रों की मानें तो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस ने गोरखपुर एसटीएफ से भी संपर्क किया है। गोरखपुर यूनिट की टीम भी बहराइच जाकर दो आरोपियों और शशांक पांडेय के नेटवर्क की तलाश कर रही है।

एसटीएफ सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस के पास हत्याकांड से जुड़े नए तथ्य सामने आए थे। इसमें तीनों के अलावा करीब पंद्रह और लोगों के जुड़े होने की बात सामने आई थी। बीते दिनों मुंबई में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के तार गोरखपुर से जुड़े थे। गोली लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लोगों ने चलाई थी, लेकिन वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल की सप्लाई गोरखपुर से हुई थी।

असलहा सप्लाई करने वाले गैंग के सक्रिय गुर्गे मनीष यादव को गोरखपुर एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। पूछताछ में मनीष ने बताया था कि गैंग से उसका जुड़ाव शशांक ने करवाया था। सूत्रों की मानें तो मुंबई में हत्या किए जाने के बाद और अन्य कुछ नाम सामने आने पर मुंबई पुलिस ने फायरिंग से जुड़ी फाइलों को भी खंगाला है। इसमें शशांक का नाम सामने आया। मुंबई पुलिस ने तफ्तीश की तो शशांक कुछ दिनों पहले जमानत पर जेल से छूटकर बाहर आया था। ऐसे में मुंबई पुलिस ने गोरखपुर एसटीएफ से भी शशांक के पूरे नेटवर्क को खंगालने और पिछले छह महीने में उसके संपर्क में आए लोगों की सूची मांगी है। शशांक से जुड़ी सूचनाएं अगले 48 घंटे के भीतर एसटीएफ मुंबई पुलिस को सौंप देगी।

पिछले दिनों जेल से छूटे एक सूत्र ने बताया कि तकरीबन 20 दिन पहले शशांक पांडेय गोरखपुर आया था। इस दौरान रानीडीहा और तारामंडल इलाके में शशांक का आना–जाना भी रहा। सूत्रों की मानें तो एसटीएफ के पास भी शशांक के जेल से छूटने और बाहर आने की जानकारी नहीं है। एसटीएफ सूत्रों ने बताया कि नंदानगर, सिंघड़िया, आदर्शनगर और तारामंडल के 10 मनबढ़ युवाओं की सूची एसटीएफ ने तैयार की है।

एसटीएफ ने पिछले दिनों गोरखपुर के चिलुआताल इलाके के रामलीला मैदान के पास से शशांक पांडेय को गिरफ्तार किया था। गोरखपुर एसटीएफ और अंबाला एसटीएफ ने संयुक्त अभियान में ये गिरफ्तारी की थी। उसके खिलाफ हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद थाने में वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग को शशांक असलहे सप्लाई करता था, इसी आरोप में उसे हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

एसटीएफ सूत्रों की मानें तो लॉरेंस ने अपना इंटरनेट मीडिया विंग बना रखा है। शशांक पांडेय पूर्वांचल में इस विंग को संभालता करता है। फेसबुक व इंस्टाग्राम पर लॉरेंस नाम के दर्जनों पेज बना रखे हैं, जिसके जरिये गुर्गे ऑनलाइन भर्ती के लिए ऐसे युवाओं की तलाश करते हैं। लोकल जुड़ाव होने की वजह से ये जुड़ते चले जाते हैं।

जेडीसी के खिलाफ विधायक ने शासन में की शिकायत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के विकास विभाग में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाले संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार के विरुद्ध मेंहदावल विधान सभा क्षेत्र के निषाद पार्टी के विधायक अनिल त्रिपाठी ने शासन में शिकायत की है। विधायक ने अपने पत्र में जेडीसी पर कई गम्भीर आरोप लगाए हैं। जनपद में जांच के नाम पर उत्पीड़न किए जाने सहित अन्य बातें कही हैं। विधायक का पत्र वायरल होने के बाद लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। क्योंकि जेडीसी ने नाथनगर ब्लाक की जांच के बाद बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पोल खोला है। इसके साथ ही बघौली ब्लाक में भी अनियमितताएं पकड़ी हैं। ऐसे में लोगों के बीच चर्चा है कि भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाले जेडीसी पर ही भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जाना कहां तक सही है।

अपर मुख्य सचिव ग्राम विकास विभाग को भेजे अपने पत्र में मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार पूर्व में संतकबीरनगर के सीडीओ रहे। उनके द्वारा सरकार की नीतियों को दरकिनार करके उसके विरुद्ध योजनापूर्ण ढंग से धन उगाही की जा रही है। ऐसे में उनकी जांच कराते हुए उचित कार्रवाई करें। साथ ही जांच पूर्ण होने तक संतकबीरनगर में उनके जांच पर रोक लगाया जाए। विधायक अनिल त्रिपाठी ने यह पत्र 29 सितम्बर को शासन को भेजा है। यह पत्र तब भेजा गया जब जेडीसी ने 23 को नाथनगर और उसके बाद बघौली ब्लाक की जांच किया। नाथनगर ब्लाक की जांच आख्या जारी होने के बाद मजदूरी घोटाला से लेकर मनरेगा तक में गड़बड़ी सामने आई। संयुक्त विकास आयुक्त की जांच आख्या और विधायक का शिकायत पत्र इस समय जनपद के लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सहायक विकास आयुक्त संत कुमार ने कहा कि बलौर जेडीसी मेरा दायित्व है कि विकास कार्यों का निरीक्षण ब्लाक और गांवों में जाकर करूं। उसी कड़ी में संतकबीरनगर के नाथनगर, बघौली और साधा ब्लाक की जांच की गई थी। ब्लाक के साथ ही कई गांवों का जायजा लिया गया। नाथनगर में ब्लाक के निरीक्षण में तमाम खामियां मिलीं, जिसकी आख्या अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। ग्राम पंचायतों की जांच आख्या भेजी जा रही है। खामियों के बाबत ग्राम पंचायतों से अभिलेख तलब किए गए थे। अभिलेख न मिलने के कारण जांच आख्या भेजने में देरी हुई है। इसके अलावा बघौली ब्लाक में भी गड़बड़ी मिली है, उसकी भी आख्या उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। विधायक को किसने गुमराह किया और गलत सूचना दी इसकी जानकारी नहीं है। शिकायत पत्र में उनके द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार और बेबुनियाद हैं। विधायक अनिल त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि जनपद के पूर्व सीडीओ और वर्तमान में जेडीसी संत कुमार द्वारा जनपद में जांच के नाम पर भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत लोगों से प्राप्त हुई। क्षेत्र के लोगों ने कई गम्भीर आरोप लगाए हैं। लोगों के आक्रोश को देखते हुए शासन को पत्र लिखा गया है। जेडीसी पर लगे आरोपों की जांच कराकर कार्रवाई करने और जांच होने तक संतकबीरनगर जिले में जांच न करने की मांग की है।

दुष्कर्म के बाद हत्या ! फंदे से लटकता मिला शव, खुदकुशी दिखाने की साजिश

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा इलाके के देईपार चौराहे के पास एक मकान में किराए पर कमरा लेकर रहने वाले दंपत्ति की 11 वर्षीय बेटी का शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता मिला। दंपति सुबह ही काम पर निकल गए थे। बालिका व तीन वर्षीय भाई कमरे पर थे। मां दोपहर में कमरे पर पहुंची तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी।

जानकारी के अनुसार, जिले के बालापार के रहने वाले हैदर और उनकी पत्नी रुखसाना पिछले 10 वर्षों से पिपरौली बाजार कस्बा के देईपार चौराहे के निकट सूरज वर्मा के मकान में किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। उनकी 11 वर्षीय बेटी तमन्ना और तीन वर्षीय बेटा तैमूर भी रहते हैं। पिता गीडा इलाके के एक फैक्ट्री में काम करते हैं। मां भी एक फैक्ट्री में काम करती हैं। हर रोज की भांति वह सुबह काम पर चले गए। कमरे पर 11 वर्षीय बेटी और तीन वर्षीय बेटा अकेले थे। सुबह 11 बजे मां कमरे पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। वह किसी प्रकार दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची तो कमरे के अंदर का नजारा देख सन्न रह गई। बेटी छत के छज्जे से दुपट्टा के सहारे लटक रही थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे। सूचना पर पहुंची पिपरौली चौकी की पुलिस शव को फंदे से निचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह पास के परिषदीय विद्यालय के कक्षा पांचवीं की छात्रा थी।

बेटी ने आत्माघाती कदम क्यों उठाया पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। मां का कहना है कि बेटी सुबह मोबाइल की मांग कर रही थी। पुलिस झूला लगाते समय भी गला कसने से मौत होने के एंगल पर जांच कर रही है। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुदकुशी की पुष्टि हुई है।

एमएमएमयूटी में चार जगहों पर खुलेंगे ओपेन जिम, 15 लाख आएगी लागत

संवाददाता–गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चार जगहों पर ओपेन जिम खुलेंगे। इस पर विश्वविद्यालय करीब 15 लाख रुपये खर्च करेगा। विश्वविद्यालय के स्टेडियम और गर्ल्स हॉस्टल के बीच में एक–एक ओपेन जिम 7.73 लाख की लागत से तत्काल खुलेंगे। अन्य दो ओपेन जिम कुछ समय बाद खोले जाने की योजना है। एमएमएमयूटी में लंबे समय से ओपेन जिम की मांग की जा रही थी। खुले में जिम होने से किसी भी समय छात्र–छात्राएं इसका लाभ उठा सकेंगे। छात्रों के लिए ओपेन जिम स्टेडियम में गेट के पास तो छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल के बीच में खुलेगा। दो ओपेन जिम तत्काल खोले जाने के लिए एसेसरीज आ गई है। उसके इंस्टालेशन की प्रक्रिया चल रही है। बाद में एक ओपेन जिम शिक्षक आवासों की तरफ और एक जिम पब्लिक के लिए खोले जाएंगे। सीएसए के चेयरमैन प्रो. बीके पांडेय ने बताया कि ओपेन जिम में पेंडुलम एपारटस, एयर वॉकर, सिट अप बोर्ड, डबल ट्विस्टर, पैर्लल बार्स, लेग प्रेस, हॉर्स राइडर, सोल्जर एक्सरसाइज व्हील, एयर स्ट्राइडर, क्रॉस ट्रेनर आदि उपकरण लगेंगे। एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने बताया कि चार ओपेन जिम खुलने हैं। इनमें दो ओपेन जिम की एसेसरीज आ गई हैं। जल्द ही इन्हें शुरू कर दिया जाएगा। इससे छात्र–छात्राओं को एक्सरसाइज में सुविधा होगी।

रोजगार मेला आज, 260 पदों अभ्यर्थियों का होगा चयन

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में 15 अक्तूबर को सुबह 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। इसमें करीब आधा दर्जन कंपनियों में 260 पदों पर चयन किया जाएगा। सहायक निदेशक सेवायोजन रास बिहारी चतुर्वेदी ने बताया कि 18–45 वर्ष आयु वर्ग के हाईस्कूल से पीजी और टेक्निकल–नॉन टेक्निकल महिला व पुरुष अभ्यर्थी इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं।

राष्ट्रवाद और विकास पर एक साथ काम करती है भाजपा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में आए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रवाद और विकास पर एक साथ काम करती है स वे भुजैनी गांव में सदस्यता अभियान चला रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। सभी लोग अपने गांव में सदस्यता अभियान चलाकर हर व्यक्ति को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को और सशक्त करें। इस मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने पार्टी की नीतियों से लोगों को अवगत कराया।

नाम बदलकर करा लिया जेसीबी से खोदे गए पोखरे का भुगतान

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एक तालाब के भुगतान का ऐसा मामला आया है जिसमें जेसीबी से खुदाई के कारण भुगतान रोक दिया था। उसी परियोजना का नाम बदलकर भुगतान करा लिया गया। सोशल ऑडिट के दौरान जब सामने आया तो लोगों में खलबली मच गई। तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। जबकि गांव के कुछ लोगों ने जांच करवाने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया है।

पौली ब्लॉक क्षेत्र के शनिचरा बाजार में काली जी के मंदिर के पास पोखरे के सुंदरीकरण के नाम पर 2021–22 में मनरेगा योजना से कार्य को शुरू कराया गया। इस कार्य में मजदूरों को न लगाकर जेसीबी से कार्य कराया जाने लगा। जिस पर गांव निवासी उमेश कुमार आदि लोगों ने विरोध किया तो इस कार्य को श्रमदान घोषित कर दिया गया। इसी पोखरे को शनिचरा बाजार बाग के पास पोखरा का नाम देकर 2023–24 में भुगतान करवा लिया गया। जब यह मामला सोशल ऑडिट में खुला तो गांव के लोग भौचक्के रह गए। ग्रामीणों का कहना है इस पोखरे से जेसीबी के द्वारा मिट्टी निकाली गई थी जबकि पोखरे को मनरेगा के तहत खुदाई करने की परियोजना बनाकर भुगतान करवाया गया। यह सरकारी धन का दुरुपयोग है। इस संबंध में पूछने पर बीडीओ अर्जित प्रकाश ने बताया कि अभी जल्द ही कार्यभार ग्रहण किए हैं मुझे जानकारी नहीं है। पता कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कर्ज माफी के अफवाह की सूचना पर गोरखनाथ मंदिर पहुंची महिलाएं, समझा-बुझा कर भेजा वापस

संवाददाता–गोरखपुर। माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से 3 हजार रुपये की ऋणमाफी की अफवाह पर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर पहुंची महिलाओं के चलते काफी देर तक अफरातफरी मची रही। गोरखपुर–बस्ती मंडल के जिलों से सैकड़ों की संख्या में पहुंचीं महिलाएं गोरखनाथ मंदिर के सीएम कैंप कार्यालय तक जाने की जिद कर रही थीं। गोरखनाथ पुलिस ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद महिलाओं को समझा–बुझाकर वापस किया। कर्जमाफी की अफवाह पर सोमवार को कैम्पियरगंज, भटहट, धानी, संतकबीर नगर, निचलौल और फरेंदा से भारी संख्या में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं दिन में 12 बजे गोरखनाथ मंदिर पहुंच गई। महिलाओं का कहना था कि उन्होंने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों ने 500 से 3000 रुपये तक का कर्ज ले रखा है। रविवार को कुछ महिलाएं गोरखपुर आई थीं। उनका कर्ज माफ हो रहा है। ऐसे में उनका फार्म भरवाकर कर्ज माफ किया जाए। महिलाओं की भारी भीड़ देखकर उन्हें गोरखनाथ पुलिस ने गेट पर ही रोक दिया और उन्हें समझाने की कोशिश की पर महिलाएं नहीं मानी। मंदिर में सीएम कैम्प कार्यालय जाने की जिद पर अड़ी रही। पुलिस लाउडस्पीकर से लगातार घोषणा करती रही कि किसी प्रकार की ऋणमाफी की घोषणा नहीं हुई है। सीओ गोरखनाथ ने पहुंचकर फाइनेंस कम्पनी के अधिकारी से बात कराई। तब जाकर महिलाएं वापस लौटीं। महिलाओं का कहना था की उनके गांवों में सूचना दी गई थी की कर्ज माफ हो रहा है।

दरअसल, सोशल मीडिया व व्हाट्सएप ग्रुप पर एक फर्जी सूचना प्रसारित कर दी गई कि माइक्रो कंपनी की ओर से दिए गए ऋण माफ किए जा रहे हैं। इसके लिए फार्म जमा हो रहा है। बस इसी सूचना पर रविवार को भी महिलाएं गोरखनाथ पहुचं गई थी। अब दूसरे दिन भी महिलाएं पहुंची और उन्हें लगा कि उनका कर्ज जमा नहीं हो पाया तो उनका ऋण माफ नहीं होगा। सोमवार को महिलाओं के आने की सूचना पर गोरखनाथ पुलिस महिला पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गई। पुलिस के समझाने के बाद महिलाएं वापस तो हुईं लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थी कि यह अफवाह है। स्वयं सहायता समूह में भ्रम को देखते हुए सोमवार की शाम विकास भवन में डीडीओ राजमणि शर्मा के नेतृत्व में सभी बीडीओ और ब्लाक के अधिकारियों की बैठक हुई। डीडीओ ने इन्हें ग्राम पंचायतों में जाकर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जागरूक करने को निर्देशित किया। महिलाओं को फर्जी सूचनाएं किसने दी है। इसकी जांच की जा रही है। अन्य जनपद से भी महिलाएं आई थीं, संबंधित जिले को भी सूचना दी गई है। अगर किसी ने जालसाजी की है तो केस दर्ज कर पुलिस कार्रवाई करेगी।

राजेन्द्र प्रसाद सिंह, उपायुक्त, एनआरएलएम ने कहा कि ऋणमाफी की अफवाह महराजगंज जिले से उठी है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बताया जा रहा है कि सरकार की तरफ से ऋणमाफी की कोई योजना नहीं है। इन्हें बताया जा रहा है कि कोई ऋणमाफी को लेकर फार्म भरवाएं तो इसकी सूचना तत्काल विभागीय अधिकारियों को दें।

ई–केवाईसी करने में जिला प्रदेश में 10वें नंबर पर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के प्रत्येक कार्डधारक का ईकेवाईसी करने के मामले में जनपद प्रदेश में 10वें स्थान पर है। जबकि प्रदेश में नंबर एक पर गोरखपुर, नंबर दो पर अंबेडकरनगर व तीसरे स्थान पर मुरादाबाद जनपद है। इन जनपदों का ई–केवाईसी में क्रमशरू 68.90, 67.91 व 67.81 प्रतिशत है। वहीं जिले में 65.95 प्रतिशत ही लोगों की ई–केवाईसी हुई है। जिला स्तरीय अधिकारियों के लापरवाही के कारण लोगों की ई–केवाईसी समय से नहीं हो पा रही है। ऐसे में कई गरीब राशन से वंचित भी हो सकते हैं।

सरकार राशन कार्डों का सत्यापन ई–केवाईसी के माध्यम से कर रही है। कार्डधारक के सभी सदस्यों की ई–केवाईसी करने की जिम्मेदारी कोटेदारों को दी गई है। कोटेदारों को ई–पॉस मशीनों से लाभार्थियों का अंगूठा लगाकर ई–केवाईसी करना है। यह काम बिना किसी शुल्क के होना है। जिले में 13 लाख 32 हजार 137 लोगों की ई–केवाईसी होनी है। इनमें 8 लाख 78 हजार 579 लोगों का ही हो पाया है। जबकि यह निर्देश कोटेदारों को करीब पांच माह पूर्व दिया गया है। लेकिन जिले में 65.95 प्रतिशत ही लोगों का ई–केवाईसी हो पाया है। कोटेदार, कार्डधारक व जिलास्तरीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है ।

राशन कार्ड की ई–केवाईसी से सरकार को सुचारु रूप से खाद्यान्न वितरण करने और पात्र व्यक्तियों की पहचान होगी। तमाम अपात्र लोग भी राशन कार्ड खाद्यान्न योजना का लाभ उठा रहे हैं, ई–केवाईसी के बाद उनका नाम काटा जा सकेगा। साथ ही सरकार के पास राशन कार्ड धारक के परिवार की संख्या का अद्यतन विवरण उपलब्ध होगा।

अब पर्यटन के रूप में विकसित होगा लहुरादेवा, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा -डीएम

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुरातत्व विभाग को लहुरादेवा में खुदाई के खेती के पुराने अवशेष मिले थे। इसमें अनाज के भंडारण के लिए डेहरियां, लगभग आठ हजार साल पहले धान की खेती के अवशेष प्राप्त हुए शामिल हैं। यहां पर टीला बना हुआ है, यह छह से नौ हजार वर्ष पहले सभ्यता की कहानी बताता है। इसको देखते हुए डीएम ने इसे धरोहर के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की है। यहां पर बाउंड्रीवाल, खनन में मिले अवशेष को संरक्षित करने के साथ ही म्यूजियम, पर्यटकों के ठहरने के लिए गेस्ट हाउस बनाने की तैयारी है। समय माई के टीला को भी विकसित किया जाएगा। जिले के सेमरियावां ब्लॉक का ऐतिहासिक स्थल लहुरादेवा को पर्यटन के दृष्टि से विकसित करने के लिए डीएम ने पहल की है। वर्षों से उपेक्षित पड़े इस स्थल के विकास के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें यहां की विरासत को संरक्षित करने के साथ ही आधुनिकता और अन्य सुविधाओं से लैस करने काम किया जाएगा। विकास के लिए जो कार्य योजना बनी है, उसके तहत शासन स्तर से प्राप्त बजट के साथ ही स्थानीय स्तर से बजट उपलब्ध कराकर कार्य कराए जाएंगे। इसमें यहां पर बाउंड्रीवाल बनाने के साथ ही पयर्टकों को लुभाने के लिए म्यूजियम, यहां आने वाले सैलानियों के ठहरने के लिए गेस्ट हाउस, समय माई के टीले को विकसित किया जाएगा। लहुरादेवा में ईसा से छह से नौ हजार वर्ष पहले की सभ्यता की कहानी बताता है। यहां पर धान की खेती के सबसे पुराने अवशेष मिले थे, लेकिन खुदाई के बाद खुदाई की जगह को दोबारा मिट्टी से भरकर यूं ही छोड़ दिया गया है। लहुरादेवा स्थित कोट को सरकार ने स्मारक घोषित किया है।

टीले का उत्खनन का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग ने डॉ. राकेश तिवारी के निर्देशन में 2001 से 2006 तक किया था। इस स्थल से डेहरियां, लगभग आठ हजार साल पूर्व के धान की खेती के अवशेष मिले थे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरानी सं0

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

रत्नावली

बनाम

श्रीमती नन्हका आदि

1. श्रीमती नन्हका पत्नी लोरिकपाल 2. श्रीमती कमलावती देवी पत्नी होरिकपाल निवासीगण मौजा खानिम पो0 सहजनवा जिला–गोरखपुर 3. सुभाष चन्द्र पुत्र परमात्मा प्रसाद साकिन जमोखर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /2021

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती सदर जिला–बस्ती

इन्द्रावती देवी

बनाम

केसरी आदि

1. दलसिंहगार पत्नी केसरी 2. साधू 3. झिन्नन 4. बुद्धू 5. फागू पुत्रगण स्व0 केसरी निवासीगण मौजा रूधौली कला तप्पा व तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 5788 /2024

T 202417140105788

धारा 116 उ0प्र0रा0से0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

संदीप कुमार

बनाम

मु0 बच्ची आदि

1. मु0 बच्ची पत्नी झिनकू सिंह 2. जितेन्द्र बहादुर सिंह 3. जालिम सिंह पुत्रगण बलिभद्दर सिंह 4. ओम प्रकाश सिंह 5. अमर देव 6. अशोक सिंह 7. सीता सरन सिंह पुत्रगण इन्द्रासन सिंह 8. कृष्ण कुमार पुत्र कृपाशंकर 9. उमाशंकर सिंह 10. जय शंकर सिंह पुत्रगण केदार सिंह 11. वीरेन्द्र बहादुर सिंह 12. कमला सिंह 13. देवी प्रसाद सिंह पुत्रगण झिनकू सिंह 14. दयाशंकर पुत्री विक्रमा 15. ओमकार सिंह पुत्र रामशंकर 16. भूपेन्द्र सिंह पुत्र दिगविजय सिंह 17. शिवशंकर पुत्र गोकुल 18. ह्रदयशंकर पुत्र राज बहादुर सिंह 19. देवेन्द्र पुत्र अम्बिका सिंह 20. गिरजा सिंह पुत्र नसीब सिंह 21. निर्मला देवी पत्नी चिन्तामणि 22. नरेन्द्रनाथ त्रिपाठी पुत्र चिन्तामणि 23. चन्द्रबली पुत्र विशेषर सिंह 24. प्रशान्त सिंह 25. निशांत सिंह पुत्रगण नरेन्द्र बहादुर सिंह 26. सुमन सिंह पत्नी नरेन्द्र बहादुर सिंह 27. पवन सिंह 28. विपिन सिंह 29. कौशल किशोर 30. कृष्ण किशोर पत्रगण कृपाशंकर 31. प्रदीप सिंह पुत्र हरिशंकर 32. श्रमती निर्मला देवी पत्नी हरिशंकर 33. अमय कुमार सिंह 34. अखिलेश सिंह पुत्रगण कृपाशंकर सिंह 35. श्रीमती श्याम कुमारी पत्नी कृपाशंकर निवासीगण ग्राम कोटिया तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 36. ग्राम पंचायत जरिये प्रधान ग्राम कोटिया तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 37. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी महोदय बस्ती

तारीख पेशी 16–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहा आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन पुलिस ने सोमवार को फरार चल रहे दुष्कर्म के आरोपित को क्षेत्र के करुआवल खुर्द मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी राजेश कुमार गुप्त ने बताया कि क्षेत्र के धरनिहवा गांव निवासी सलमान खान पुत्र बीर मोहम्मद पर धारा 87,137(2),64(1) बीएनएस व 5ब6 पाक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज था। पुलिस उसकी तलाश में थी। सोमवार को उसे करुआवल खुर्द मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई उमेश चन्द यादव व कांस्टेबल सौरभ सिंह शामिल थे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com